नन्द भवन में उड़ रही धूल | By Sukh Sagar

नन्द भवन में उड़ रही धूल
धूल मोहे प्यारी लगे
उड़ उड़ धूम मेरे माथे पे आवे
मैंने तिलक किये भरपूर
धूल मोहे प्यारी लगे

उड़ उड़ धूल मेरे नैनन पे आवे
मैंने दर्शन किये भरपूर
धूल मोहे प्यारी लगे

उड़ उड़ धूल मेरे होंठो पे आवे
मैंने भजन किये भरपूर
धूल मोहे प्यारी लगे

उड़ उड़ धूल मेरे हाथन पे आवे
मैंने ताली बजाई भरपूर
धूल मोहे प्यारी लगे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6-%e0%a4%ad%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%89%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%a7%e0%a5%82%e0%a4%b2-by-sukh-sagar/